Regd. With the Registrar of News Papers of India at PUN BIL/2002/07848
Postal Reg. No. GDP-41/2017-19

मजिल्स अन्सारुल्लाह भारत का तर्जुमान

मासिक

अन्सारुल्लाह

क़ादियान

जनवरी 2020 ई०

Annual Subscription: Rs. 210/- (Per Issue: Rs. 20/-
(Weight : 50-100, grms / Issue)

टैगोर बुक फैयर जमशेदपुर में जमाअत के स्टाल में
मज्लिस अन्सारुल्लाह के सदस्य सेवा प्रदान करते हुए।

मज्लिस अन्सारुल्लाह इब्राहीमपूर बंगाल द्वारा आयोजित
तरबियती इजलास के अवसर पर
आदरणीय अब्दुल वकील नियाज़ साहिब
नायब नाज़िर इस्लाह व इरशाद जुनूबी हिन्द सम्बोधन करते हुए।

जमाअत अहमदिया कावाशेरी केरला द्वारा आयोजित
तब्लीगी जलसा के अवसर पर आदरणीय एच सुलेमान साहिब अमीर ज़िला
आदरणीय एम ताजुद्दीन साहिब नाज़िम इलाक़ा एवं
आदरणीय अब्दुस्सलाम साहिब मुरब्बी सिलसिला भाग लेते हुए।

मज्लिस अन्सारुल्लाह कच्छ बिहार द्वारा आयोजित
पिकनिक के अवसर पर आदरणीय रज़ाउल करीम साहिब
नाज़िम ज़िला उपस्थितगण को सम्बोधन करते हुए।

मज्लिस अन्सारुल्लाह सिकंदराबाद की ओर से
निर्धन एवं असहाए व्यक्तियों को
आदरणीय यासीन सलीम साहिब एवं
आदरणीय मुहम्मद नासिर साहिब
नि:शुल्क औषधियाँ वितरण करते हुए।

मज्लिस अन्सारुल्लाह तेलंगाना (हैदराबाद) द्वारा आयोजित नि:शुल्क मैडिकल कैम्प के अवसर पर आदरणीय तनवीर अहमद नाज़िम इलाक़ा, आदरणीय क़ारी नवाब अहमद पूर्व सदर मज्लिस अन्सारुल्लाह भारत, आदरणीय ज़ईम साहिब आला हैदराबाद, डाक्टर अब्दुल माजिद साहिब सेवा प्रदान करते हुए।

मज्लिस अन्सारुल्लाह चिंताकुंटा तेलंगाना द्वारा आयोजित नि:शुल्क मैडिकल कैम्प का दृश्य, इस अवसर पर आदरणीय महमूद अहमद बाबू अमीर ज़िला महबूब नगर एवं पुलिस एवं सरकारी अधिकारी सेवा प्रदान करते हुए।

मज्लिस अन्सारुल्लाह ज़िला निज़ामाबाद द्वारा आयोजित नि:शुल्क मैडिकल कैम्प का दृश्य।

मज्लिस अन्सारुल्लाह करुनाग्पल्ली केरला द्वारा आयोजित जलसा सीरतुन्नबी सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम का दृश्य।

मज्लिस अन्सारुल्लाह हैदराबाद के सदस्य एक पुलिस अधिकारी को "नबियों का सरदार" पुस्तक भेंट करते हुए।

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم   نحمدہٗ ونصلی علیٰ رسولہ الکریم   وعلیٰ عبدہ المسیح الموعود

يٰۤاَيُّهَا الَّذِيۡنَ اٰمَنُوۡا كُوۡنُوۡۤا اَنۡصَارَ اللّٰهِ

سورۃ الصف آیت ۱۵

मज्लिस अन्सारुल्लाह भारत का प्रवक्ता

मासिक पत्रिका

अन्सारुल्लाह

क़ादियान

Volume - 18   **जनवरी 2020**   **Issue - 1**

निगरान
अताउल मजीब लोन

सम्पादक
सय्यद रसूल नियाज़

उप-सम्पादक
तनवीर अहमद मलिक
09781831652

मैनेजर
मक्सूद अहमद भट्टी
Ph. +91 84272 63701

कम्पोज़िंग
तसनीम अहमद बट्ट

प्रैस
फ़ज़्ले उमर प्रिंटिंग प्रैस
क़ादियान

वार्षिक मूल्य : 210 ₹
विदेश : 50 अमरीकी डॉलर

प्रकाशन स्थान
ऐवाने अन्सार, भारत
क़ादियान - 143516
ज़िला : गुरदासपुर, पंजाब
फोन : 01872-220186
फैक्स : 01872-224186

विषय सूची	पृष्ठ

दर्सुल क़ुर्आन	2
दर्सुल हदीस	2
हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के प्रवचन	3
सम्पादकीय - चाहिए कि तुम्हारे कर्म तुम्हारे अहमदी होने पर गवाही दें	4
सदर मज्लिस अन्सारुल्लाह का निवेदन - दुआएँ, मेहनत, तक़्वा तथा ईमानदारी	6
मज्लिस अन्सारुल्लाह केनेडा के सालाना इज्तिमा 2019 के अवसर पर हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ का विशेष सन्देश	8

Printed & Published by Shoaib Ahmad M.A. and owned by Majlis Ansarullah Bharat Qadian and Printed at Fazle Umar Printing Press, Harchowal Road, Qadian Distt. Gurdaspur 143516, Punjab, INDIA and Published at Office Majlis Ansarullah Bharat, P.o. Qadian, Distt. Gurdaspur 143516 Punjab India. Editor Syed Rasool Niyaz

قرآن کریم दर्सुल क़ुर्आन

يَاَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا لَا تَتَّبِعُوْا خُطُوٰتِ الشَّيْطٰنِ ۭ وَمَنْ يَّتَّبِعْ خُطُوٰتِ الشَّيْطٰنِ فَاِنَّهٗ يَاْمُرُ بِالْفَحْشَاۗءِ وَالْمُنْكَرِ ۭ وَلَوْلَا فَضْلُ اللّٰهِ عَلَيْكُمْ وَرَحْمَتُهٗ مَا زَكٰى مِنْكُمْ مِّنْ اَحَدٍ اَبَدًا ۙ وَّلٰكِنَّ اللّٰهَ يُزَكِّيْ مَنْ يَّشَاۗءُ ۭ وَاللّٰهُ سَمِيْعٌ عَلِيْمٌ ○

अनुवाद - हे मोमिनो ! शैतान के क़दमों पर मत चलो और जो कोई शैतान के क़दमों पर चलता है तो वह जान ले कि शैतान बुराईयों एवं अप्रिय बातों का आदेश देता है और यदि अल्लाह की कृपा एवं दया तुम पर न होती तो कभी भी तुममें से कोई पवित्र न होता किन्तु अल्लाह जिसको चाहता है पवित्र बना देता है और अल्लाह बहुत दुआएँ सुनने वाला और बहुत जानने वाला है। (सूरः अन्नूर आयत 22)

दर्सुल हदीस

عن عبد الله، قال "وكان يعلمنا كلمات، ولم يكن يعلمناهن كما يعلمنا التشهد اللهم الف بين قلوبنا، واصلح ذات بيننا، واهدنا سبل السلام، ونجنا من الظلمات إلى النور، وجنبنا الفواحش ما ظهر منها وما بطن، وبارك لنا في اسماعنا وابصارنا وقلوبنا وازواجنا وذرياتنا، وتب علينا إنك انت التواب الرحيم، واجعلنا شاكرين لنعمتك مثنين بها قابليها واتمها علينا۔

अनुवाद - हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसऊद रज़ियल्लाहु अन्हु से रिवायत है कि आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हमें कुछ वाक्य सिखाते थे और उन्हें इस तरह नहीं सिखाते थे जिस तरह तशह्हुद सिखाते थे और वे ये हैं - "हे अल्लाह, तू हमारे दिलों में मुहब्बत और प्रेम पैदा कर दे तथा हमारी हालतों का सुधार कर दे तथा सलामती के मार्ग की ओर हमारी मार्ग दर्शन कर दे और हमें अन्धकारों से मुक्ति प्रदान कर दे। आँखों, दिलों तथा हमारी बीवी बच्चों में बरकत दे और हमारी तौबा क़बूल फ़रमा ले, तू तौबा क़बूल फ़रमाने वाला तथा रहम और दया करने वाला है और हमें अपनी अनुकम्पाओं पर कृतज्ञ तथा प्रशंसक और उसे क़बूल करने वाला बना दे, और हे अल्लाह, इन नेअमतों को हमारे ऊपर पूरा कर दे।"

(सुनन अबू दाऊद, किताबुस्सलात, बाबुत्तश्हुद, हदीस 969)

हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के दिव्य उपदेश

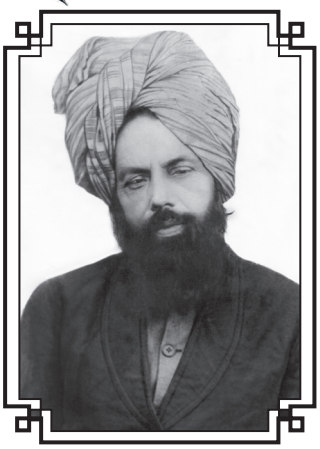

"आजकल ज़माना बड़ा ख़राब हो रहा है भिन्न भिन्न प्रकार का शिर्क, बिदअत तथा कई बिगाड़ पैदा हो गए हैं। बैअत के समय जो संकल्प किया जाता है कि दीन को दुनिया पर मुक़द्दम रखूंगा, यह इक़रार ख़ुदा के सामने इक़रार है अब चाहिए कि इस पर मौत तक ख़ूब क़ायम रहे वरन् समझो कि बैअत नहीं की और यदि क़ायम रहोगे तो अल्लाह तआला दीन और दुनिया में बरकत देगा। अपने अल्लाह की इच्छानुसार पूरा तक़्वा धारण करो। ज़माना जटिल है, इलाही प्रकोप प्रकट हो रहा है, जो अल्लाह तआला की इच्छानुसार अपने आपको बना लेगा वह अपनी जान तथा अपनी संतान पर रहम करेगा।

ख़ूब याद रखना चाहिए कि ख़ुदा तआला की कुछ बातों को न मानना उसकी सब बातों को छोड़ना होता है यदि एक अंश शैतान का है और एक अल्लाह का तो अल्लाह तआला भागीदारी को पसन्द नहीं करता। यह सिलसिला उसका इस लिए है कि इंसान अल्लाह की ओर आवे, यद्यपि ख़ुदा की ओर आना बड़ा कठिन होता है तथा एक प्रकार की मौत है परन्तु अन्तत: जीवन भी उसी में है। जो अपने भीतर से शैतानी भाग को निकाल कर फेंक देता है वह मुबारक इंसान होता है और उसके घर और चेतन एवं नगर सभी स्थानों पर उसकी बरकत पहुंचती है किन्तु यदि उसके भाग्य में ही थोड़ा आया है तो वह बरकत न होगी। जब तक बैअत का इक़रार क्रियात्मक रंग में न हो बैअत कुछ चीज़ नहीं है। जिस प्रकार एक इंसान के आगे तुम बहुत सी बातें ज़बान से करो किन्तु अमली रूप में कुछ भी न करो तो वह ख़ुश न होगा। इसी प्रकार ख़ुदा का मामला है, वह सारे स्वाभिमानियों से बढ़ कर स्वाभिमानी है। क्या हो सकता है कि एक तो तुम उसका आज्ञा पालन करो फिर उधर उसके दुश्मनों का भी आज्ञा पालन करो, इसका नाम तो निफ़ाक़ (पाखंड) है। इंसान को चाहिए कि इस बात में ज़ैद व बकर (दूसरे लोगों) की चिंता न करे, मरते दम तक इस पर क़ायम रहो।

बुराईयाँ के दो प्रकार हैं, एक ख़ुदा के साथ शिर्क करना, उसकी महानता को न मानना, उसकी इबादत और आज्ञा पालन में सुस्ती करना। दूसरी यह कि उसके बन्दों के साथ स्नेह न करना, उनके अधिकारों का हनन करना। अब चाहिए कि दोनों प्रकार की बुराई न करो, ख़ुदा के आज्ञा पालन पर क़ायम रहो, जो संकल्प बैअत में तुमने किया है उस पर क़ायम रहो, ख़ुदा के बन्दों को कठिनाई में न डालो। क़ुर्आन को बड़े ध्यान पूर्वक पढ़ो, उसके अनुसार जीवन व्यतीत करो, हर प्रकार के हास परिहास तथा व्यर्थ की बातों तथा शिर्क की मजलिसों से बचो। पाँचों समय की नमाज़ों को क़ायम रखो, अभिप्राय: यह है कि ऐसा कोई अल्लाह का आदेश न हो जिसे तुम टाल दो, शरीर को भी स्वच्छ रखो तथा दिल को हर प्रकार के अनर्थ द्वेष एवं ईर्षा से पाक करो, ये बातें हैं जो ख़ुदा तुमसे चाहता है।"

(मल्फ़ूज़ात, भाग 3, पृष्ठ 67,68, इन्टरनेट संस्करण पाँच जिल्द)

सम्पादकीय

चाहिए कि तुम्हारे कर्म तुम्हारे अहमदी होने पर गवाही दें

अल्लाह तआला की कृपा से हम एक और नए साल में दाख़िल हो चुके हैं। नव वर्ष के आरम्भ में हमें चेतना का निरीक्षण करते हुए कमियों को दूर करने तथा गुणों को उजागर करने की आवश्यकता है। नए साल की मुबारकबादी के विषय में सय्यना हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह अलख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला फ़रमाते हैं-

"आज 2019 का पहला जुम्अ: है, इस संदर्भ में मैं पूरे विश्व के अहमदियों को पहले तो नव वर्ष की शुभकामनाएँ देना चाहता हूँ, अल्लाह तआला यह साल हमारे लिए मुबारक करे और अत्यधिक सफलताएँ ले कर आए परन्तु हमें यह भी याद रखना चाहिए कि केवल रस्मी मुबारकबाद कह देने का तो कोई लाभ नहीं है, न ही रस्मी मुबारकबाद अल्लाह तआला की प्रसन्नता को प्राप्त करने वाला बनाती है। नए साल की वास्तविक मुबारकबाद यह है कि हम यह एहद करें कि अल्लाह तआला ने जो हमें एक और साल का सूरज दिखाया है, उसमें दाख़िल किया है तो इसमें हम अपने अन्दर की कमज़ोरियों और अंधेरों को दूर करने का प्रयास करें। गत वर्ष में जो कमियाँ और त्रूटियाँ रह गईं हैं, हम यह संकल्प करें कि हम उन्हें दूर करेंगे। अपने भीतर पहले से बढ़ कर वे पाक बदलाव पैदा करने की कोशिश करेंगे जिसकी प्राप्ति के लिए हमने हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम से बैअत का एहद बांधा है ... नव वर्ष के आरम्भ की पहली रात में तहज्जुद तथा जमाअत के साथ फ़जर की नमाज़ पढ़ लेना पूरे वर्ष की नेकियों पर भारी नहीं हो जाता बल्कि इस कोशिश को यथासम्भव पूरे साल जारी रखना वास्तविक नेकी है।"

(ख़ुत्बः जुम्अः फ़र्मूदा 4 जनवरी 2019)

आधुनिक युग में प्रसारण की व्यवस्था में अत्यधिक विस्तार के कारण नैतिक बुराईयों की परिधि भी तेज़ी के साथ फैलती जा रही है अत: इस महत्त्व पूर्ण विषय के बारे में जमाअत के लोगों का ध्यान आकर्षित कराते हुए हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला ने अपने एक ख़ुत्बः जुम्अः में फ़रमाया-

"आजकल जो भयावह आशंका है वह समाज की बुराईयों में छूट और फैलाव है तथा इस पर और अधिक यह कि अभिव्यक्ति एवं भाषणों की स्वतंत्रता के नाम पर कुछ बुराईयों को संवैधानिक सुरक्षा दी जाती है। इस ज़माने से पहले बुराईयाँ सीमित थीं, अर्थात मुहल्ले की बुराई मुहल्ले में अथवा नगर की बुराई नगर में या देश की बुराई

देश में ही थी, अथवा अधिक से अधिक निकट के पड़ोसी उससे प्रभावित हो जाते थे किन्तु आज यात्रा की सुविधाएँ, टी वी, इन्टरनेट तथा विभिन्न मीडिया ने प्रत्येक मनुष्य की तथा स्थानीय बुराई को अंतर्राष्ट्रीय बुराई बना दिया है। इन्टरनेट के माध्यम से हज़ारों मील की दूरी पर सम्पर्क करके अश्लीलताएँ एवं बुराईयाँ फैलाई जाती हैं।"

(ख़ुत्बः जुम्अः फ़र्मूदा 6 दिसम्बर 2016)

अन्सारुल्लाह के सदस्यगण अपने परिवार के निगरान होते हैं इस लिए जहाँ हमने स्वयं अल्लाह तआला के आदेशानुसार कर्म करने हैं वहीं हमें अपने कर्मों को इस रंग में ढालने की आवश्यकता है कि हम अपने परिवार वालों के लिए भी नमूना बनें और जमाअत में ख़ुद्दाम तथा अतफ़ाल के लिए एक उत्तम उदाहरण पेश करने वाले हों। समाज में फैलने वाली बुराईयों से दुआओं के साथ अपनी संतान को बचाना होगा इसी प्रकार समाज में अन्य नागरिकों के साथ हमारा व्यवहार इतना उत्तम हो कि हमारी कथनी और करनी से इस्लाम का जीता जागता चित्र दिखाई दे। अल्लाह तआला मोमिनों को सम्बोधित करते हुए फ़रमाता है -

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا قُوْٓا اَنْفُسَكُمْ وَاَهْلِيْكُمْ نَارًا

(सूरः तहरीम 7) हे मोमिनो, अपने आपको भी तथा अपनी संतान को भी आग से बचाओ। हज़रत मसीह मौऊद अलै. फ़रमाते हैं-

"चाहिए कि तुम्हारे कर्म तुम्हारे अहमदी होने पर गवाही दें।" (मल्फ़ूज़ात, भाग 6 पृष्ठ 272)

दुआ है कि अल्लाह तआला हमें तथा हमारी संतान को अहमदिया ख़िलाफ़त से और अधिक निकट करते हुए अपनी रज़ा हासिल करने की तौफ़ीक़ अता फ़रमाए तथा यह नया साल हमारे लिए, जमाअत और मजलिस अन्सारुल्लाह के लिए وَلَلْاٰخِرَةُ خَيْرٌ لَّكَ مِنَ الْاُوْلٰى का पुष्टि करने वाला साबित हो, आमीन

हाफ़िज़ सय्यद रसूल नियाज़

❁❁❁

"शिक्षा प्राप्त करना हर मुस्लिम पुरुष एवं स्त्री का कर्त्तव्य है"

MUSTAFA BOOK CO

All kinds of Academic Book of Kerala Board, CBSE, ISCS & Universities

Fort Road
KANNUR-1 (KERALA)
Mobile : 09895655426

INDIAN AUTO

हर प्रकार की मोटर गाड़ियों के पार्टस सस्ते रेट पर खरीदें।

P. Ali Koya
CALICUT (KERALA)

सदर मजलिस अन्सारुल्लाह का निवेदन

दुआएँ, मेहनत, तक़्वा तथा ईमानदारी

यह केवल अल्लाह तआला का एहसान है कि इस विनीत को सय्यदना हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह अलख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ ने स्नेह पूर्वक मजलिस अन्सारुल्लाह भारत का सदर नियुक्त फ़रमाया। सदर मजलिस अन्सारुल्लाह तथा नायब सदर सफ़े दोयम की नियुक्ति के साथ ही हुज़ूर-ए-अनवर ने यह दुआ भी दी है-

"अल्लाह तआला ये नियुक्तियाँ हर एक दृष्टि से मुबारक फ़रमाए तथा हर दो को अपने अपने दायित्व दुआओं, मेहनत, तक़्वा और ईमानदारी के साथ अदा करने की तौफ़ीक़ अता फ़रमाए, आमीन।"

इस विनीत को आशा है कि हुज़ूर-ए-अनवर की इच्छानुसार यदि हम सब दुआओं, मेहनत, तक़्वा तथा ईमानदारी के साथ मजलिस के दायित्वों को यथा सामर्थ्य निर्वाह करने का प्रयास करेंगे तो अल्लाह तआला अवश्य हुज़ूर-ए-अनवर की दुआओं को स्वीकार करते हुए सय्यदना हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला की अभिलाषाओं तथा इच्छाओं के अनुसार हम सबको इसका सामर्थ्य प्रदान करेगा। इसके लिए हमें तन मन और धन से परिश्रम करने की आवश्यकता है। नि:सन्देह दुआ में बड़ी बरकतें हैं किन्तु साथ ही सुन्दर कर्म अनिवार्य हैं क्योंकि जब तक कर्म न हों केवल दुआ से कोई परिणाम नहीं निकलता। हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम फ़रमाते हैं-

"आदमी को बैअत करके केवल यही न मानना चाहिए कि सिलसिला हक़ है और इतना मान लेने से उसे बरकत होती है .... कोशिश करो कि जब इस सिलसिले में दाख़िल हुए हो तो नेक बनो, मुत्तक़ी बनो, हर एक बदी से बचो .... रात और दिन विनयता में लगे रहो .... भाषा को सुशील रखो, इस्तिग़फ़ार को अपना दैनिक नियम बनाओ, नमाज़ों में दुआएँ करो .... केवल मानना इंसान के काम नहीं आता .... ख़ुदा तआला केवल बातों से राज़ी नहीं होता, क़ुर्आन शरीफ़ में अल्लाह तआला ने ईमान के साथ अमले सालेह भी रखा है, अमले सालेह उसे कहते हैं जिसमें तनिक भी बिगाड़ न हो।"

(मल्फ़ूज़ात, भाग 4 पृष्ठ 274,275 संस्करण 1985, प्रकाशन यू.के.)

दुआओं के साथ हमें ख़िलाफ़त से सम्बद्ध रहना भी सदैव के लिए है, चूँकि ख़िलाफ़त नबुव्वत की छवि है तथा अब ख़िलाफ़त के साथ ही समस्त कृपाएँ सम्बद्ध हैं। ख़लीफ़-ए-वक़्त के ख़ुत्बात, सम्बोधन सीधे ही सुनना तथा ख़लीफ़-ए-वक़्त

के समस्त निर्देशों के अनुसार कार्य करने से ही अल्लाह की प्रसन्नता प्राप्त होगी। ख़िलाफ़त से सम्बंध के बारे में हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला फ़रमाते हैं-

"अत: आपको मुबारक हो कि आप अहमदिया ख़िलाफ़त के साथ जुड़े हुए हैं जिसे क़यामत तक अपने सम्पूर्ण वैभव के साथ स्थापित रहना है। यह ऐसा बरकत पूर्ण निज़ाम है जिसके अभाव में दीन की उन्नति नहीं हो सकती, जमाअत में एकता भी इसके बिना स्थापित नहीं रह सकती, यह ख़िलाफ़त ही की बरकत है कि पूरे विश्व में इस्लाम की सुन्दर शिक्षा पहुंच रही है। एम.टी.ए के माध्यम से जमाअत का ख़लीफ़-ए-वक़्त के साथ सम्बंध प्रतिक्षण सुदृढ़ से सुदृढ़ हो रहा है तथा प्रत्येक दृष्टि से अल्लाह तआला के समर्थन एवं सहायता के दृश्य हम प्रतिदिन देख रहे हैं। ख़िलाफ़त की नेअमत आरम्भिक युग में उस समय छीनी गई थी जब संसारिकता अधिक आ गई थी, अब इन्शाअल्लाह यह अनुकम्पा तो ख़ुदा तआला जारी रखेगा किन्तु इससे वे लोग वंचित हो जाएँगे जो दीन को दुनिया पर प्राथमिकता देने का संकल्प पूरा नहीं करेंगे, उन अनुबन्धों के अनुसार कर्म नहीं करेंगे जो ख़िलाफ़त के पुरस्कार के साथ अल्लाह तआला ने रखे हैं। अत: इस नेअमत के मूल्य को समझें तथा अपने परिवार जनों को ख़िलाफ़त के महत्त्व एवं बरकतों से अवगत कराते रहें। अल्लाह करे कि हम अल्लाह तआला की इच्छानुसार ख़िलाफ़त के इनाम को संभालने वाले हों।"

(पैग़ाम ख़लीफ़तुल मसीह अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़, सालाना इज्तिमा अन्सारुल्लाह भारत 2018 के अवसर पर)

प्यारे अन्सारुल्लाह के सदस्यों,

दुआ है कि अल्लाह तआला मज्लिस अन्सारुल्लाह भारत के समस्त सदस्यगण, साइक़, ज़ईम तथा नाज़िम सभी लोग अपनी अपनी परिधि में अपने अपने दायित्वों को उचित समय पर तंज़ीम के नियमों के अनुसार पूरा करने का सामर्थ्य प्रदान करे।

अताउल मुजीब लोन

सदर मजलिस अन्सारुल्लाह भारत

❁❁❁

Mobile : 9572858090, 9955553631

NEW MOBILE POINT

TABASSUM FANCY STORE

Mosabi Market No. 3, East Singhbhum
JHARKHAND Pin - 832104

Cell : 09886083030

زبیر احمد شحنہ

ZUBER

Engineering Works
Body Building All Types of
Welding and Grill Works
HK Road - YADGIR-585201
Dist. Gulbarga - Karnataka

मज्लिस अन्सारुल्लाह केनेडा के सालाना इज्तिमा 2019 के अवसर पर हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्त्रिहिल अज़ीज़ का विशेष सन्देश

प्यारे सदस्यगण मजलिस अन्सारुल्लाह कैनेडा,

अस्सलाम अलैकुम व रहमतुल्लाहि व बरकातुह

अलहम्दुलिल्लाह कि आपको इस वर्ष भी अपना सालाना इज्तिमा आयोजित करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है, अल्लाह तआला इसे अत्यधिक बरकत पूर्ण फ़रमाए तथा समस्त अन्सार को इस बरकत भरे अवसर से भरपूर लाभान्वित होने का सामर्थ्य प्रदान करे, आमीन।

यह युग विज्ञान की उन्नति का युग है, नवीन आविष्कारों ने लोगों की व्यस्तता तथा विचारों को पूर्णत: बदल दिया है तथा विभिन्न प्रकार की बुराईयों को जन्म दिया है जिनमें से कुछ टी वी, इन्टरनेट इत्यादि की हैं। अधिकांश घरों का निरीक्षण कर लें, बड़े से लेकर छोटे तक सुबह फ़जर की नमाज़ इस कारण से समय पर नहीं पढ़ते कि रात देर तक या तो टी वी देखते रहे अथवा इन्टरनैट पर बैठे रहे, अपने प्रोग्राम देखते रहे, परिणाम यह कि सुबह आँख नहीं खुली। फिर एप्लीकेश्न्ज़ हैं फ़ोन इत्यादि के द्वारा अथवा आईपैड के द्वारा शैतान इंसान को इनमें लिप्त करता चला जाता है। एक अहमदी घराने को इन समस्त बीमारियों से बचने की कोशिश करनी चाहिए, अत्यंत ध्यान पूर्वक इन अवस्थाओं पर नज़र रखने की आवश्यकता है। माँ बाप का कर्त्तव्य है कि बच्चों को मस्जिदों से जोड़ें, ज़ैली तंज़ीमों के प्रोग्रामों में शामिल करें। ज़ैली तंज़ीमों का भी यह बड़ा भारी दायित्व है कि अपने सदस्यों को जमाअत के साथ मज़बूती से जोड़ दें, अहमदियत की शिक्षाओं से अपने आपको सुसज्जित करें और शैतान के हमलों से स्वयं भी बचें तथा अपने परिवार जनों को भी बचाकर रखें। अल्लाह तआला क़ुर्आन शरीफ़ में फ़रमाता है-

يٰٓاَيُّهَا الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا قُوْٓا اَنْفُسَكُمْ وَ اَهْلِيْكُمْ نَارًا

(सूर: तहरीम 7) हे मोमिनो, अपने आपको भी तथा अपनी संतान को भी आग से बचाओ।

अत: जब हमने हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम को माना है तो इस कारण से कि इस ज़माने में मसीह मौऊद के द्वारा शैतान के साथ अन्तिम संग्राम है। याद रखें कि अल्लाह

तआला की मदद तथा उसके आगे झुकने के बिना शैतान के हमलों से बचना सम्भव नहीं है। अत: अल्लाह तआला की सहायता तलाश करो। हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम हमें नसीहत करते हुए फ़रमाते हैं-

"प्रिय जनों, ख़ुदा तआला के आदेशों को अनादर के साथ न देखो, नवयुग के दर्शन शास्त्र का विष तुम पर प्रभाव न डाले, एक बच्चे की भांति बनकर उसके आदेशों के नीचे चलो। नमाज़ पढ़ो, नमाज़ पढ़ो कि वह समस्त सौभाग्यों की कुंजी है और जब तू नमाज़ के लिए खड़ा हो तो ऐसा न कर कि मानो रस्म अदा कर रहा है बल्कि नमाज़ से पहले जैसे ज़ाहिर में वज़ू करते हो ऐसा ही भीतरी वज़ू भी करो तथा अपने अंगों को अल्लाह से अतिरिक्त विचारों को धो डालो, तब तुम दोनों वज़ुओं के साथ खड़े हो जाओ तथा नमाज़ में बहुत दुआ करो और रोना और गिड़गिड़ाना अपनी आदत कर लो ता तुम पर रहम किया जाए। सत्य धारण करो, सच्चाई धारण करो कि वह तुम्हें देख रहा है।"

(अज़ाला ए ओहाम, रूहानी ख़ज़ायन, भाग 3 पृष्ठ 549)

अतएव अल्लाह तआला के समस्त आदेशों को प्रतिष्ठा की दृष्टि से देखें तथा नेकी और रूहानियत में प्रगति के लिए हर दम प्रयासरत् रहें। देखें अल्लाह तआला का हम पर कितना उपकार है कि जहाँ समाज शैतानी गतिविधियों से भरा पड़ा है वहाँ अल्लाह तआला ने हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम की प्यारी जमाअत को एम टी ए का ऐसा बरकत भरा माध्यम प्रदान किया है जो शैतान के हमलों से भी बचाता है तथा आध्यात्मिक उन्नति के सामान भी करता है। अल्लाह तआला ने एम टी ए को ख़िलाफ़त के साथ जमाअत का सम्बन्ध जोड़ने का साधन बनाया है। यदि घरों में आप लोग इस ओर ध्यान नहीं देंगे तो धीरे धीरे आपकी संतानें पीछे हटना शुरु हो जाएँगी। अत: इससे पहले कि पश्चाताप शुरु हो जाए अपने आपको ख़िलाफ़त के साथ जोड़ें, कम से कम उसके माध्यम से ख़ुत्बे तो अवश्य सुना करें।

हमारी जमाअत में इज्तिमा और जलसे, रूहानी और दीनी तर्बियत के लिए आयोजित किए जाते हैं जमाअत के साथ नमाज़, दर्सों तथा तक़रीरों का विशेष प्रबन्ध किया जाता है, इस बरकत भरे अवसर से पूरा लाभ उठाएँ, व्यवहारिक सुधार एवं परिवार जनों की तर्बियत पर विशेष ध्यान दें। हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम अपनी जमाअत को नसीहत करते हुए फ़रमाते हैं-

"ख़ुदा तआला चाहता है कि अमली रास्ता दिखाओ ता वह तुम्हारे साथ हो। दयालुता, नैतिकता, परोपकार, सुन्दर आचरण, सहानुभूति तथा विनयता में यदि कमी रखोगे तो मुझे मालूम है तथा बार बार मैं बतला चुका हूँ कि सबसे

पहले ऐसी ही जमाअत नष्ट होगी। मूसा अलै. के समय में जब उसकी उम्मत ने ख़ुदा तआला के आदेशों पर कान न धरे तो इसके बावजूद कि मूसा उनमें मौजूद था परन्तु फिर भी बिजली से विनाश किए गए।"

(मल्फ़ूज़ात भाग 4 पृष्ठ 112)

आजकल मैं ख़ुत्बों में सहाबियों का जीवन चरित्र बयान कर रहा हूँ, इसी लिए कि हमारे सामने वे नमूने आ जाएँ जिनके बारे में आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया है कि मेरे सहाबी जो हैं ये सितारों की तरह हैं, जिसके पीछे भी चलोगे वह तुम्हें सही रास्ते की ओर ले जाएगा।

अल्लाह तआला करे कि हम बैअत का हक़ अदा करते हुए अपने अन्दर पाक तबदीलियाँ पैदा करने वाले बनें ताकि अल्लाह तआला के उन फज़्लों के वारिस बनें जिनका वादा अल्लाह तआला ने हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम से किया है, आमीन।

वस्सलाम

विनीत

(हस्ताक्षर) मिर्ज़ा मसरूर अहमद

ख़लीफ़तुल मसीह अलख़ामिस

(साभार अलफज़्ल इन्टरनैश्नल, 6 दिसम्बर 2019 पृष्ठ 3)

❁❁❁

SONET SOLUTIONS
PRIVATE LIMITED
No.41, II Cross, Doctors Layout,
Kasturi Nagar,
BANGALORE - 560043
तालिबे दुआ :
MUSADDIQ AHMAD
Mobile : 098451-98560
Tel : +91 (80) 41636612
Web : www.sonetsolutions.in

Mob: 9008510546
Akmal Tailor
Hill Road, Madikeri - 571201

Pants, Shirts & All Gents Wears Stitching Here

Maqbool Ahmed Cell : 9949310679
: 9949209561
Plant Medicine
Special Treatment for : Kidney Failure, Kidney Enlarge, Shrinkage, Kidney Gall Bladder Stone, Piles
H. No. 18-2-69/a, Jangammet, Falaknuma, Hyderabad - 53